<u>भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में 14 सितम्बर 2017 को "</u> हिंदी दिवस **<u>" का</u> आयोजन**

भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में "हिंदी दिवस" का आयोजन 14 सितम्बर, 2017 को किया गया । इस अवसर पर 14 सितम्बर 2017 को " हिंदी दिवस " के उद्घाटन पर ब्यूरो की निदेशक महोदया, डॉ. चाँदिश आर. बल्लाल ने, रा. कृ. की. सं. ब्यू., बेंगलूरु के सभी कर्मचारियों को " हिंदी दिवस " के आयोजन पर शुभकामनाएं दी और कहा कि मुझे अत्यंत खुशी हो रही है कि "आज हम सब यहाँ पर हिंदी दिवस मनाने के लिए एकत्र हुए हैं। जैसे कि आप सभी को मालूम ही है, कि हिंदी भाषा देश के अधिकांश क्षेत्रों के वर्ग द्वारा बोली और समझी जाती है और भारत-वर्ष की संविधान सभा द्वारा 14 सितम्बर, 1949 को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया था। राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ और व्यापक बनाने में भाषा सदैव से एक अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी रही है। हमारी जो भाषा होती वह केवल बोलचाल और काम-काज का माध्यम ही नहीं है बल्कि हमें एक सूत्र में बांधने का काम भी करती है। देश में आप कहीं भी जायें तो हम देखते हैं कि सभी क्षेत्रों में हिंदी समझने वाले मिल जाते हैं। सरकारी काम-काज में हिंदी का प्रयोग किया जा रहा है, किन्तु अभी भी इस पर और अधिक ध्यान देने कि जरुरत है, इसके लिए आवश्यक है कि संस्थान में सरकारी काम मूल रूप से हिंदी में हो। राजभाषा हिंदी का प्रयोग एक संवैधानिक आवश्यकता है और यह प्रत्येक सरकारी कर्मचारी का समान दायित्व है। आजकल कम्प्यूटर में सभी प्रकार के सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं, जिनकी सहायता से हम अपना पूरा काम आसानी से हिंदी में कर सकते हैं। आज इस अवसर पर हम सब यह संकल्प लें कि आज से ही हम अपने-अपने सरकारी काम हिंदी में करेंगे"।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में आए डॉ. सूरज सिंह राजपूत, जो कि ब्यूरो की अनुसन्धान सलहाकार समिति के सदस्य हैं, उन्होंने सरकारी कार्यालयों और व्यवहारिक रूप में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग की भूमिका पर विस्तृत रूप से अपने विचार व्यक्त किए। वैज्ञानिकों और हिन्दी से जुड़े कर्मचारियों की महत्ता बताते हुए आग्रह किया कि सब मिलकर नयी-नयी तकनीकों को किसानों की भाषा में किसानों तक पहुँचाए इससे हमारी प्रौद्योगिकी ज़मीन से जुड़े किसानों तक पहुँचेंगी। इस अवसर पर ब्यूरो के वित्त एवं लेखा अधिकारी, श्री टी. ए. विश्वनाथ ने व्यवहारिक रूप से कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग की भूमिका पर विस्तृत रूप से अपने विचार व्यक्त किए। **डॉ. ओमप्रकाश नाविक, वैज्ञानिक, श्रीमती दिपन्विता, सहायक, श्रीमती नाज़िया अंजुम, वरिष्ठ लिपिक, डॉ. राघवेंद्र ए., तकनीकी सहायक तथा श्रीमती रेखा, दक्ष सहायक**, ने निम्नलिखित विषयों - **खेल हो गए गुम-खो गया बचपन, खेती में महिलाओं की भूमिका** तथा **कीट नियंत्रण में स्वदेशी विधियाँ** विषयों पर अपने- अपने विचार व्यक्त किए और हिंदी गायन किया । डॉ. रिचा वार्ष्णेय, वैज्ञानिक ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस समारोह का संचालन श्री सतेंद्र कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने किया।

राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में 14 सितम्बर 2017 को " हिंदी दिवस " आयोजन के कुछ फोटो

GUEST HOUSE
हिंदी दिवस
14 सितम्बर 2017